नव भारत
राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

5 रायगड़ा से ग्रामीण विकास को मिला बड़ा बूस्ट

6 विमान सेवाओं के ठप होने का खतरा

7 जीएसटी संग्रह 2,42,702 करोड़ पर

8 ताइपे को हराकर सेमीफाइनल में भारत

कमर्शियल सिलेंडर 993 रुपए महंगा

बढ़ेगी महंगाई : छोटे सिलेंडर में भी बढ़ोतरी, 810 रुपए हुई कीमत

05 किलो वाले सिलेंडर में 261 रुपए की हुई बढ़ोतरी

03 महीनों में 81 प्रतिशत का हुआ इजाफा

नई दिल्ली, 1 मई. तेल विपणन कंपनियों ने शुक्रवार को 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 993 रुपए की भारी वृद्धि की, जिससे अब इसकी नई कीमत 3,071.5 रुपए हो गई है. यह तीसरी बड़ी वृद्धि है, फरवरी के बाद पहले मार्च की शुरुआत में 115 रुपए और 1 अप्रैल को लगभग 200 रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी. 5 किलो वाले छोटू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 261 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई है. इस बढ़ोतरी के बाद इसकी नई कीमत लगभग 810 रुपये तक पहुंच गई है.

आईओसीएल ने स्पष्ट किया है कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए कीमतें स्थिर हैं और उनके सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया. इस वृद्धि का मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में तेजी है. इससे व्यावसायिक क्षेत्र, जैसे होटल, रेस्टोरेंट और अन्य संस्थानों पर सीधे असर पड़ेगा. व्यावसायिक उपभोक्ताओं को अब अपने संचालन लागत में वृद्धि का सामना करना होगा. सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए पुरानी नीति जारी रखी है. पेट्रोल, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिससे आम जनता और एयरलाइंस पर

अतिरिक्त बोझ नहीं पड़े. वित्त मंत्रालय ने पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर विशेष शुल्क और उपकर लागू किया है, ताकि घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित रहे. इन दरों की समीक्षा हर पखवाड़े की जाती है और अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर तय की जाती हैं. आईओसीएल के प्रवक्ता ने बताया कि घरेलू उपभोक्ताओं की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया, जिससे लगभग 33 करोड़ परिवार राहत में हैं. इस कदम से यह सुनिश्चित किया गया है कि वैश्विक ऊर्जा संकट के बावजूद घरेलू स्तर पर कीमतों का स्थिरता बनी रहे और आम जनता पर बोझ न पड़े.

महानगरों में नई कीमतें (1 मई 2026 से प्रभावी)

शहर	पुरानी कीमत	नई कीमत	बढ़ोतरी (+)
दिल्ली	2,078.50	3,071.50	993
मुंबई	2,031	3,024	993
कोलकाता	2,208	3,202	994
चेन्नई	2,246.50	3,237	990.50

14.2 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने कहा कि दूसरे देशों में भी जाकर देखा जाना चाहिए, वहां भी कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों के दाम बढ़ें हैं.

चुनाव के बाद महंगाई की गर्मी आ गई : राहुल

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में आई उछाल लेकर राहुल गांधी ने सरकार पर हमला करते हुए सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि - चुनाव के बाद महंगाई की गर्मी आ गई .शुक्रवार को कमर्शियल गैस सिलेंडर 993 महंगा हो गया. एक ही दिन में सबसे बड़ी बढ़ोतरी. यह चुनावी बिल है .फरवरी से अब तक- 1,380 की बढ़ोतरी - सिर्फ़ 3 महीनों में 81 प्रतिशत का इजाफा. चायवाला, ढाबा, होटल, बेकरी, हलवाई - हर किसी की रसोई पर बोझ बढ़ा और इसका असर आपकी थाली पर भी पड़ेगा .पहला वार गैस पर, अगला वार पेट्रोल-डीजल पर हुआ है.

भगवान बुद्ध के विचार आज भी प्रासंगिक : पीएम नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली 01 मई. बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और भगवान बुद्ध के शांति, करुणा तथा सद्भावना के संदेश को जीवन में अपनाने की अपील की. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर सभी नागरिकों को बुद्ध पूर्णिमा की शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा कि यह पावन अवसर शांति, करुणा और सद्भावना के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है.

बालेन्द्र शाह ने दी बधाई

काठमांडू, 01 मई. नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने बुद्ध जयंती के पावन अवसर पर विश्व शांति की कामना करते हुए कहा है कि सच्ची क्रांति क से नहीं, बल्कि ज्ञ यानी ज्ञान से शुरू होती है. श्री शाह ने सोशल मीडिया पर कहा कि बुद्ध द्वारा दिखाया गया रास्ता वास्तव में दुख के निवारण का मार्ग है.

एक नजर में

अमेरिका में भारतीय छात्र ने की आत्महत्या

अमेरिका. आंध्र प्रदेश के कर्नूल जिले के 26 वर्षीय इरागानाबोयिना चंदू ने अमेरिका में जीवन समाप्त कर लिया. शिकागो से हाल ही में पोस्ट-ग्रेजुएशन की डिग्री पूरी करने वाले चंदू लंबे समय से नौकरी की तलाश में थे, लेकिन उन्हें रोजगार नहीं मिल पाने के कारण गंभीर मानसिक तनाव में थे. पढ़ाई के लिए लिए गए भारी कर्ज और पारिवारिक आर्थिक स्थिति ने उनके मानसिक दबाव को और बढ़ा दिया. उनके पिता सिक्योरिटी गार्ड के रूप में काम करते हैं, और परिवार की वित्तीय स्थिति सीमित थी. चंदू की मौत के बाद अमेरिका में भारतीय समुदाय ने उनके माता-पिता के लिए आर्थिक मदद जुटाने की पहल की.

गुस्ताखी माफ

मकानों की गणना और सूचीकरण शुरू

- **जनगणना में पहली बार शुरू की गई स्व-गणना**
- **82 लाख परिवारों ने स्व-गणना का लाभ उठाया**

नई दिल्ली, 01 मई. जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकानसूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य आज से छह राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में शुरू हो गया है। इनमें आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ शामिल है.

अधिसूचित 15-दिन की स्व-गणना अवधि पूरी होने के बाद इन राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य हुआ है. यह कार्य 30 मई, 2026 तक जारी रहेगा, जिसके दौरान प्रशिक्षित प्रगणक घर-घर जाकर डेटा संग्रह करेंगे.जनगणना 2027 के तहत आज से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के दिल्ली नगर निगम क्षेत्र, राजस्थान, महाराष्ट्र, मेघालय और झारखंड में स्व-गणना सुविधा भी शुरू हो गई है. यह ऑनलाइन सुविधा 15 मई, 2026 तक उपलब्ध रहेगी। इन राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों में मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 16 मई से 14 जून, 2026 तक संचालित किया जाएगा, जिसके दौरान प्रशिक्षित प्रगणक घर-घर जाकर आंकड़ों को एकत्र करेंगे ।इसके अलावा, बिहार में, अधिसूचित 15-दिन की स्व-गणना अवधि आज समाप्त हो रही है, और घर-घर जाकर क्षेत्रीय कार्य 2 मई, 2026 से शुरू होकर 31 मई, 2026 तक जारी रहेगा।

> जनगणना में पहली बार शुरू की गई स्व-गणना सुविधा को जनता से उत्साहजनक रिस्पॉन्स मिला है. जनगणना 2027 के लिए अपनाई गई डिजिटल-प्रथम पहल के अंतर्गत अब तक लगभग 82 लाख परिवारों ने आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से अपनी स्व-गणना सफलतापूर्वक पूर्ण की है।यह सुविधा क्षेत्रीय गणना अवधि से पहले उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे निवासी सुरक्षित और user friendly डिजिटल मंच के माध्यम से ऑनलाइन अपनी जानकारी दर्ज कर सकें।

यूपीआई बना दुनिया का सबसे बड़ा भुगतान मंच

नई दिल्ली, 1 मई. कहीं से कहीं को तत्काल भुगतान करने की सुविधा मुट्ठी में पड़े मोबाइल फोन के जरिए आम लोगों तक पहुंचने वाली यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) नाम की खोज ने बाजार में अपने 10 साल पूरे कर लिये हैं और देखते ही देखते यह ऐप आधारित भुगतान के क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा प्लेटफार्म बन गयी है।

भारतीय रिज़र्व बैंक की देखरेख में नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ़ इंडिया ने 11 अप्रैल 2016 को इसका लोकार्पण किया था। एक दशक में यह भारत में डिजिटल पेमेंट्स के पारिस्थितकी तंत्र की रीढ़ बन गया है।इस तरह की अवधारणा को भारत जैसे देश में आम लोगों

द्वारा अपनाये जाने को लेकर पहले की तमाम दुविधाओं और आशंकाओं को गलत सिद्ध करते हुए यूपीआई वित्तीय समावेशन का एक अहम ज़रिया बनकर उभरा है. वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार यूपीआई के जरिये 2016-17 में जहां सिर्फ़ दो करोड़ ट्रांज़ैक्शन (लेन-देन) हुए थे. वर्ष 2025-26 में यह संख्या 24,162 करोड़ से ज़्यादा, यानी लगभग 12,000 गुना ज्यादा हो गयी.

टेक्सास में विमान दुर्घटना, 5 की मौत

विम्बरली, टेक्सास, 01 मई. गुरुवार रात टेक्सास हिल कंट्री में एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार सभी पांच लोगों की मौत हो गई. एफएए और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने हादसे की जांच शुरू कर दी है. हादसा ऑस्टिन से लगभग 65 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम स्थित विम्बरली में हुआ. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त विमान सेसना 421सी रात 11-25 बजे उड़ान भर रहा था. विमान दो घंटे पहले अमरिलो से उड़ान भरकर न्यू ब्रौनफेल्स राष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जा रहा था. हादसे के समय विमान तेज गति में था. एफएए ने बताया कि तकनीकी कारणों और परिस्थितियों की विस्तृत जांच की जा रही है. हादसे की सूचना से इलाके में हड़कंप मच गया.

यूएई ने 15 पाकिस्तानी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

नई दिल्ली/अबूधाबी, 01 मई. यूएई की प्रमुख एयरलाइन एतिहाद एयरवेज ने 15 पाकिस्तानी कर्मचारियों को बिना किसी पूर्व नोटिस के नौकरी से निकाला और 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया है. सूत्रों के अनुसार, इन कर्मचारियों को एचआर विभाग के माध्यम से नहीं बल्कि सीधे इमिग्रेशन कार्यालय में बुलाया गया. वहां उन्हें यह जानकारी दी गई कि उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं और उन्हें निर्धारित समय के भीतर यूएई छोड़ना होगा.सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि कर्मचारियों को अपनी बात रखने या किसी प्रकार की सफाई देने का अवसर भी नहीं दिया गया. नौकरी से निकाले गए कर्मचारियों में विभिन्न पदों पर कार्यरत लोग शामिल हैं. इनमें एक ऐसा कर्मचारी भी है, जिसने लगभग 20 वर्षों तक एयरलाइन में सेवा दी थी. इस अचानक फैसले से कर्मचारियों और उनके परिवारों के सामने गंभीर संकट खड़ा हो गया है, क्योंकि उन्हें बहुत कम समय में देश छोड़ने और भविष्य की योजना बनाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है.

बुद्ध पूर्णिमा 75 साल बाद लद्दाख पहुंचे भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष

लद्दाख करुणा की जीवंत प्रयोगशाला

लेह, लद्दाख, 01 मई. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर लेह में आयोजित पवित्र अवशेष प्रदर्शनी और सांस्कृतिक कार्यक्रम में कहा कि लद्दाख केवल भौगोलिक क्षेत्र नहीं है, बल्कि यह बौद्ध संस्कृति और करुणा की जीवंत प्रयोगशाला है.

उन्होंने बताया कि भारत की सभ्यता हजारों वर्षों से शांति का संदेश देती रही है और इस क्षेत्र में ज्ञान व परंपराएं सदियों से संरक्षित रही हैं.इस वर्ष की बुद्ध पूर्णिमा

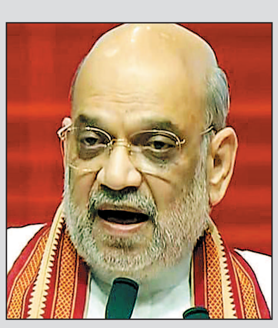

विशेष महत्व रखती है क्योंकि करीब 75 साल बाद भगवान गौतम बुद्ध के पवित्र अवशेष लद्दाख लौटे हैं, जिससे यह आयोजन और अधिक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक बन गया. अमित शाह ने कहा कि पहले दुर्गम पहाड़ी इलाकों में सड़क और परिवहन की कठिनाइयों के कारण बहुत कम लोग इन अवशेषों का दर्शन कर पाते थे. लेकिन अब बेहतर कनेक्टिविटी और सुगम यात्रा सुविधाओं के चलते लोग इनसे आध्यात्मिक प्रेरणा ले सकेंगे. उन्होंने आशा व्यक्त की कि पवित्र अवशेषों की इस वापसी से स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटक और श्रद्धालु भी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से लाभान्वित होंगे.

> कार्यक्रम में गृह मंत्री ने दलाई लामा के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि लद्दाख आध्यात्मिकता और करुणा का प्रतीक है. उन्होंने विश्वास जताया कि इस क्षेत्र के लोग, विशेष रूप से लद्दाख और कारगिल के निवासी, पवित्र अवशेषों से दिव्यता और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव करेंगे .अमित शाह ने कहा कि लद्दाख में शांति और करुणा की असली पहचान बसती है.